<u>लोकसभा</u>

तारांकित प्रश्न संख्या *187

02 दिसंबर, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात आधारित उद्योग

***187. डॉ॰ रमापति राम त्रिपाठीः**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में इस्पात आधारित उद्योगों की राज्य-वार कुल संख्या कितनी है;

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान कच्चे इस्पात तथा इस्पात उत्पादों का कितना-कितना निर्यात एवं आयात किया गया;

(ग) आगामी तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष सरकारी- स्वामित्व वाले इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चे कोयले और लौह अयस्क की संयंत्र-वार अनुमानित आवश्यकता का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या इस्पात क्षेत्र की मांग को पूरा करने के लिये कोयले और लौह अयस्क के घरेलू उत्पादन की मात्रा पर्याप्त है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) कोयले और लौह अयस्क की कुल मांग की तुलना में उनकी कितनी आपूर्ति की गई?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क) से (ङ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

"इस्पात आधारित उद्योग" के बारे में डॉ. रमापति राम त्रिपाठी, संसद सदस्य द्वारा लोक सभा में दिनांक 02 दिसंबर, 2019 को उत्तर देने के लिए पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या *187 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): वर्ष 2018-19 में देश में इस्पात उद्योग की कुल संख्या 1217 थी। मौजूदा इस्पात उद्योगों का राज्य-वार विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है। इसके अतिरिक्त देश में इस्पात आयात की निगरानी के लिए शुरू की गई नई 'इस्पात आयात निगरानी प्रणाली' (एसआईएमएस) के लिए सभी एचएस कोड टैरिफ लाइनों (उद्योग) में इसके उपयोग को दर्ज किया जाएगा।

(ख): विगत तीन वर्षों के दौरान कच्चे इस्पात और इस्पात उत्पादों के आयात एवं निर्यात का विवरण निम्नवत है:-

वर्ष	**कच्चा इस्पात और इस्पात उत्पाद (एमटी में)**	
	आयात	**निर्यात**
2016-17	9.40	12.99
2017-18	9.89	15.41
2018-19	10.83	11.97
स्रोत: जेपीसी एंड डीजीएफटी; एमटी= मिलियन टन		

(ग): अगले तीन वर्षों के प्रत्येक वर्ष में तीन सीपीएसई कंपनियों के लिए लौह अयस्क तथा कोकिंग कोल की आवश्यकता संबंधी विवरण निम्नवत है:-

वित्त वर्ष		**आवश्यकता (मिलियन टन में)**	
		लौह अयस्क	**कोकिंग कोल**
स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)	2020-21	33.825	18.45
	2021-22	34.65	18.90
	2022-23	35.475	19.35
राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)	2020-21	11.6	5.56
	2021-22	12.1	6.03
	2022-23	12.1	5.68
नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल)	2020-21	1.76	0.99
	2021-22	1.92	1.08
	2022-23	3.0	1.8

(घ): स्वदेशी इस्पात उद्योग की वर्तमान माँग/खपत को पूरा करने के लिए देश में लौह अयस्क का पर्याप्त उत्पादन होता है। तथापि, स्वदेशी उत्पादन से कोकिंग कोल की माँग पूरी कर पाना संभव नहीं है क्योंकि देश में कोकिंग कोल की आपूर्ति सीमित है और इसलिए कोकिंग कोल के आयात पर निर्भर रहने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

(ड.): विगत वर्ष अर्थात 2018-19 के दौरान लौह अयस्क की 189 एमटी मांग की तुलना में 207.7 एमटी की आपूर्ति की गई।

वर्ष 2018-19 के दौरान इस्पात उद्योग के लिये कोकिंग कोल की कुल मांग 58.37 एमटी थी। इसमें से 54.80 एमटी की पूर्ति आयात के जरिए की गई और 1.6 एमटी भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) द्वारा प्रदान किया गया तथा शेष मांग 1.97 एमटी को सेल एवं टाटा स्टील द्वारा पूरा किया गया।

****

अनुलग्नक

(लोकसभा तारांकित प्रश्न सं. 187, दिनांक 02.12.2019)

राज्य	इकाई
पूर्वी क्षेत्र	
अरुणाचल प्रदेश	3
असम	4
बिहार	21
झारखंड	46
मेघालय	5
ओडिशा	44
त्रिपुरा	1
पश्चिम बंगाल	58
पूर्वी क्षेत्र का कुल योग	**182**
पश्चिमी क्षेत्र	
छत्तीसगढ़	108
दादर व नागर हवेली	5
गोआ	9
गुजरात	112
मध्य प्रदेश	33
महाराष्ट्र	105
पश्चिमी क्षेत्र का कुल योग	**372**
उत्तरी क्षेत्र	
दिल्ली	2
हरियाणा	17
हिमाचल प्रदेश	18
जम्मू-कश्मीर	17
पंजाब	232
राजस्थान	64
उत्तर प्रदेश	80
उत्तराखंड	8
छत्तीसगढ़	3
उत्तरी क्षेत्र का कुल योग	**441**
दक्षिणी क्षेत्र	
आंध्र प्रदेश	28
कर्नाटक	19
केरल	30
पुदुचेरी	9
तमिलनाडु	82
तेलंगाना	54
दक्षिणी क्षेत्र का कुल योग	**222**
सभी क्षेत्रों का कुल योग	**1217**

स्रोत : जेपीसी